**WWW.HARYANA.PUNJABKESARI.IN**
**APRIL 19, 2022**

https://m.haryana.punjabkesari.in/gurgaon/news/trademark--an-important-process-for-business-1584658

# 'ट्रेडमार्क': व्यवसाय के लिए एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया!

गुड़गांव ब्यूरो : भारत में व्यवसाय शुरू करना आसान कार्य नहीं है, लेकिन दिन-रात कठिन परिश्रम के साथ हम व्यवसाय करने के सपने को साकार कर सकते हैं। अपने उपभोक्ताओं को न सिर्फ अच्छे उत्पाद और सेवाएं मुहैया कराना जरूरी है बल्कि व्यवसाय करने वाले व्यक्ति को बाजार में अपनी खास पहचान बनाने की भी आवश्यकता होती है। यह तभी संभव होता है जब वे अपने व्यापार को लोगों के बीच विशेष पहचान दिलाने के लिए ट्रेडमार्क से जोड़ते हैं।

व्यावसायिक जगत में प्रतिस्पर्धा काफी बढ़ गई है। हर कोई हमेशा बेहतर करने और अपने प्रतिस्पर्धियों को मात देने के नए तरीके तलाशता है। प्रौद्योगिकी, नवाचार, नवीनतम उत्पादों पर कंपनियां एक-दूसरे को मात देने के लिए ज्यादा जोर देती हैं। भारत सरकार ने 'बौद्धिक संपदा अधिकारों' के जरिये आपकी खास पहचान सुरक्षित बनाने के लिए माध्यम प्रदान किया है, जो औद्योगिक, वैज्ञानिक, आर्टिस्टिक या लिटरेसी में बौद्धिक गतिविधियों के आविष्कारों की सुरक्षा करता है। यह खास प्रक्रिया ट्रेडमार्क, पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेड सीक्रेट के साथ पंजीकरण के जरिये सुरक्षित है।

सर्वाधिक इस्तेमाल वाला इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी टाइप 'ट्रेडमार्क'

ट्रेडमार्क बौद्धिक संपदा का एक प्रकार है, जैसा कि हम सभी जानते हैं, ट्रेडमार्क में पहचानने योग्य संकेत, डिजाइन या अभिव्यक्ति शामिल होते हैं जिनसे बाजार में दूसरों के बीच किसी खास स्रोत से उत्पादों/सेवाओं को अलग करने और पहचानने में मदद मिलती है। कोई भी अपना ट्रेडमार्क बना सकता है, यह व्यक्तिगत, व्यावसायिक संगठन या कानूनी इकाई हो सकती है। टीएम सेवाओं को 'सर्विस मार्क' के तौर पर चिन्हित करता है।

यह थोड़ा अजीब है, लेकिन सही है कि सिर्फ बिजनेस एसोसिएट्स ही ट्रेडमार्क्स के उपयोगकर्ता नहीं हैं, गैर-वाणिज्यिक और धार्मिक संगठन भी अपने संगठन को सुरक्षित बनाने और पहचान को प्रोत्साहित करने के लिए ट्रेडमार्क के साथ पंजीकृत होने का लाभ हासिल करते हैं। ट्रेडमार्क का इस्तेमाल पैकेटों, लेबल और वाउचर या स्वयं प्रोडक्ट पर किया जाता है। यहां नीचे ट्रेडमार्क के लिए निर्धारित प्रतीकों के बारे में बताया जा रहा है:

सुपरस्क्रिप्ट में टीएम लेटर का इस्तेमाल ब्रांड और वस्तुओं को प्रोत्साहित करने के लिए गैर-पंजीकृत ट्रेडमार्क के लिए किया जाता है।

सुपरस्क्रिप्ट में टीएम लेटर का इस्तेमाल ब्रांड एवं सेवा को प्रोत्साहित करने के लिए गैर-पंजीकृत सेवा के लिए किया जाता है। ® का इस्तेमाल पंजीकृत ट्रेडमार्क के लिए किया जाता है।

अब इसे लेकर कई सवाल पैदा हुए हैं कि हम टीएम के लिए पंजीकरण कैसे करें, टीएम धारक के लिए क्या कानूनी अधिकार हैं, आपके व्यवसाय के लिए बाजार दायरा तैयार करने में यह कितना मददगार है। आइए, ट्रेडमार्क के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों के जवाबों के बारे में:

ए. ट्रेडमार्क का पंजीकरण - -ट्रेडमार्क पंजीकरण के लिए आवेदन ipindia.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन किया जाता है।

बी. ट्रेडमार्क की विभिन्न श्रेणियां --भारत में ट्रेडमार्क को करीब 45 श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। इनमें शामिल हैं पेंट, सर्जीकल एवं मेडिकल इंस्ट्रूमेंट, टूल्स एवं लुब्रिकेंट मशीन, टेक्सटाइल्स, हाउसहोल्ड, गेम्स, स्टेशनरी, बेवरेज, सैनिटरी, मैटेरियल, हैंड टूल्स, लेदर और शैक्षिक एवं वैज्ञानिक उत्पाद। ट्रेडमार्क वर्गीकरण को उप-वर्गों में विभाजित किया जा सकता है। इन उत्पादों के उप-वर्गीकरण का मकसद समान को सामूहिक रूप से समेकित करना।

सी. पंजीकृत ट्रेडमार्क लीगल राइट्स-- पंजीकृत ट्रेडमार्क यह इस्तेमाल करने का विशेष अधिकार देता है कि उसका मालिक अन्य पक्ष को भुगतान के बदले उपयोग करने का लाइसेंस दे सके। पंजीकृत ट्रेडमार्क सही धारक (कानूनी मामले के समय लाभार्थी) की कानूनी स्थिति को सुनिश्चित करता है।

डी. व्यवसाय वृद्धि में मददगार-- बाजार आपके द्वारा मुहैया कराई जाने वाली सेवा या उत्पादों की विशेषता के लिए पहचान देता है। टेडमार्क पंजीकरण आपके अधिकारों को सुरक्षित बनाता है और धोखाधड़ी तथा उत्पाद या सेवा प्रदाता द्वारा गलत जानकारी से बचाता है। जब हम ब्रांडों के तौर पर सुरक्षित होते हैं तो व्यवसाय की वृद्धि की रफ्तार तेज होती है।

ई. पायरेसी से सुरक्षा-- प्रयासों, कड़ी मेहनत और रचनात्मक कौशल के जरिये ब्रांड को अपनी खास पहचान बनाने में मदद मिलती है, लेकिन समस्या तब पैदा हो जाती हैं, जब कोई आपकी इस पहचान का लाभ उठा लेता है, लेकिन ट्रेडमार्क पंजीकरण के बाद आपकी यह विशिष्ट पहचान कानूनी और पायरेसी से सुरक्षित बन जाती है।

बौद्धिक संपदा अधिकार बाजार में रचनात्मकता हासिल करने वाले स्टार्टअप बिजनेस इंडिया के लिए वरदान हैं। ट्रेडमार्क का इस्तेमाल भारत में इंटेंजीबल ऐसेट में हर दिन किया जाता है और ट्रेडमार्क से बाजार में नए पेश ब्रांडों के उपभोक्ताओं में खास पहचान बनती है। बौद्धिक परिसंपत्तियों का इस्तेमाल आसान होता है। हमें यह समझने की जरूरत है कि व्यवसाय को प्रोत्साहित करने और उसे बढ़ाने के लिए इनका इस्तेमाल कैसे किया जाए। यह लेख कर अधिवक्ता मनोज यादव द्वारा लिखा गया है/